measures to prevent and control pollution from vehicles.

(v) More stringent norms for vehicular emissions have been notified under the Central Motor Vehicles Rules, 1989 in September 1993 which would come into effect from April, 1996.

(vi) Automobile manufacturers have been asked to develop and improve their technology to meet the more stringent standards for emissions from vehicles.

(vii) City planners are advised to incorporate in their plans the long-term requirements of city transportation.

Projects under Ganga Action Plan

6604. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:
SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) what are the important projects under the Ganga Action Plan that are now under execution and what is the budget allocation for each of the schemes in 1994.

(b) by when Ganga Action Plan Phase-I will be completed and to what extent the river will be pollution free at that point of time; and

(c) by when Ganga is likely to be totally free of pollution?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) Of the 261 schemes approved under Ganga Action Plan Phase-I, 230 schemes have been completed and 31 are under implementation. The schemes comprise of works such as interception and diversion, sewage treatment and Electric Crematoria. These are in various stages of execution for which a budget provision of Rs. 44.30 crores has been made for the year 1994-95.

(b) and (c) The above on-going schemes are expected to be completed by march 1996. The river water will have Bio-chemical Oxygen Demand less than 3 mg/litre and Dissolved Oxygen exceeding 5 mg/litre. Residual pollution and pollution from non-point sources would continue to join the river.

गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में कदाचार

6605. **श्री कनक सिंह मोहनसिंह मंगरौला:** क्या **पर्यावरण और वन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालयों में भ्रष्टाचार और कदाचार व्याप्त है;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार ने इस संबंध में अपने स्तर पर कोई कार्रवाई की है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(घ) गत् तीन वर्षों के दौरान गुजरात में प्रदूषण की समस्या का ठीक प्रकार से निदान न किये जाने के संबंध में संसद-सदस्यों से कितने पत्र प्राप्त हुए हैं; और

(ङ) इस संबंध में की गई जांच के क्या परिणाम रहे हैं?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) केन्द्रीय सरकार को गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालयों में भ्रष्टाचार एवं अनाचार व्याप्त होने के संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) गत् तीन वर्षों के दौरान गुजरात में प्रदूषण की समस्या से ठीक ढंग से न निपटे जाने के बारे में केन्द्रीय सरकार को एक संसद सदस्य से केवल एक पत्र प्राप्त हुआ है।

(ङ) गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एक रिपोर्ट मंगाई गई थी तथा मामले के तथ्य माननीय संसद सदस्य को भेज दिये गये थे।